Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J–8008

PAPER – III

GEOGRAPHY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

GEOGRAPHY

भूगोल

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

If, as David Harvey suggests, the 1970s witnessed an urban crisis, an energy crisis, an environmental crisis, then by the 1980s the whole world appeared to be in crisis. Within geography, a succession of challenges was launched on some of the discipline's core concepts. Here I will focus on landscape and nature.

One of the most effective challenges was posed by Denis Cosgrove's critique of the idea of landscape. Cosgrove's writings represent a sustained attempt to deconstruct the understanding of landscape that characterized an earlier generation of cultural and historical geographers such as Carl Sauer, Clifford Darby and Andrew H. Clark. Cosgrove rejected the simple distinction which Sauer drew between 'natural' and 'cultural' landscapes, showing that *every landscape is socially constructed*. Rather than tracing a uni-directional 'human impact on the landscape' (a tradition which he and others have parodied as the 'landscape with figures' school), Cosgrove showed how landscape and social formation were dialectically related. More recently, he has argued that in the transition from modernity to postmodernity biological and cybernetic models of environmental and spatial organization (organism, system) have given way to metaphors derived from literature and the arts (spectacle, theatre, text).

While Cosgrove has challenged the 'naturalness' of landscape, others have begun to question the 'naturalness' of nature itself. Neil Smith began the current round of critique by adding his own materialist reading to the long tradition of Marxist thought about the social production of nature. But the debate has been given renewed vigour by the recent work of Margaret FitzSimmons. While Smith develops his ideas about socially produced nature through a reworking of Marx's theory of uneven development, FitzSimmons starts out from Raymonds Williams's essays on 'The idea of nature', extending his work via a variety of feminist sources. She explores the parallel between man's subordination of nature and his subordination of women.

यदि, जैसा कि डेविड हार्वे ने सुझाया, 1970 के दशक में शहरी संकट, ऊर्जा संकट, पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हुआ तो उसके बाद 1980 के दशक के अंत में सम्पूर्ण विश्व संकट में प्रतीत होने लगा। भूगोल के अन्दर विषय की कुछ केन्द्रीय अवधारणाओं को उत्तरोत्तर चुनौतियां मिलती गईं। यहाँ मैं भूदृश्य और प्रकृति पर ध्यान केन्द्रित करूंगा।

एक सर्वाधिक प्रभावपूर्ण चुनौती डेनिस कॉसग्रोव द्वारा भूदृश्य के विचार की आलोचना थी। कॉसग्रोव के लेखों में भूदृश्य की उस संकल्पना को सतत तोड़ने का प्रयास किया गया है जिसे पूर्ववर्ती पीढ़ी के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भूगोलवेत्ताओं, जैसे कार्ल सॉर, क्लीफॉर्ड, डार्बी और एंड्रयू एच. क्लार्क ने प्रतिपादित किया था। कॉसग्रोव ने सॉर द्वारा प्राकृतिक और सांस्कृतिक भूदृश्यों के बीच सरल अन्तर को अस्वीकार कर दिया और बताया कि प्रत्येक भूदृश्य सामाजिक तौर पर निर्मित होता है। भूदृश्य पर एक दिशायी 'मानवीय प्रभाव' (एक परम्परा जिसका उन्होंने तथा अन्यों ने चित्रमय भूदृश्य कहकर हंसी उड़ाया है) खोजने के बजाय, कॉसग्रोव ने दर्शाया कि कैसे भूदृश्य और सामाजिक रचना द्वन्द्वात्मक रूप से सम्बद्धित है। अभी हाल ही में उसने तर्क दिया है कि आधुनिकता से उत्तर-आधुनिकता की ओर संक्रमण में पर्यावरणीय और स्थानिक संगठन (जीव, तन्त्र) के जैविक और साइबरनेटिक मॉडलों का स्थान साहित्य तथा कला (दृश्य, थियेटर, ग्रन्थ) से निकले रूपकों ने ले लिया।

जहाँ कॉसग्रोव ने भूदृश्य की प्राकृतिकता को चुनौती दी वहीं दूसरों ने स्वयं प्रकृति की ही प्राकृतिकता पर सवाल करना शुरु कर दिया। नील स्मिथ ने, प्रकृति के सामाजिक उत्पादन के बारे में मार्क्सवादी विचारधारा की लम्बी परम्परा में अपना खुद का भौतिक वादी अध्ययन जोड़ कर आलोचना का समकालिक दौर शुरु कर दिया।

परन्तु मारग्रेट फिट्ज सिमान्स के नये कार्य द्वारा इस बहस को दुबारा नयी स्फूर्ति मिली। जहां स्मिथ ने मार्क्स के असमान विकास के सिद्धान्त में पुनर्संयोजन द्वारा सामाजिक रूप से उत्पन्न प्रकृति के बारे में अपने विचार विकसित किये, वहां फिट्ज सिमान्स ने, रेमॉन्ड विलियम के 'प्रकृति के विचार' पर निबन्धों से प्रारम्भ करते हुए विभिन्न स्त्रीवादी स्रोतों के जरिये अपना कार्य विस्तरित किया। उन्होंने पुरुष द्वारा प्रकृति की अधीनता और उसके द्वारा स्त्री की अधीनता के बीच समानता की खोज की।

1. Bringout the central theme of the passage.

परिच्छेद का केन्द्रीय विषय स्पष्ट कीजिये।

2. Write down the traditional concept of landscape deconstructed by Cosgrove.
कॉसग्रोव द्वारा खंडित 'भूदृश्य की पारम्परिक अवधारणा' लिखिये।

3. How are the ideas of Neil Smith related with the socially produced nature ?
किस प्रकार नील स्मिथ के विचार सामाजिक रूप से उत्पन्न प्रकृति के साथ सम्बन्धित हैं?

4. Explain the significance of literature and the arts in Postmodernism.
उत्तर आधुनिकता में साहित्य और कला के महत्व की व्याख्या कीजिये।

5. Mention the views of Fitzsimmons on nature.
प्रकृति पर फिट्जसिमान्स के विचार बताइये।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is 'Kame' ?

'केम' क्या है?

7. Explain the formation of Occluded front.
संरोधित वाताग्र की रचना की व्याख्या कीजिये।

8. Define primate city.
प्रमुख (प्राइमेट) नगर की परिभाषा दीजिये।

9. Differentiate between renewable and non-renewable resources.
नवीकरणीय और अनवीकरणीय संसाधनों के बीच अन्तर बताइये।

10. Mention the Coastal and marine resources of India.
भारत के तटीय तथा समुद्री संसाधनों का उल्लेख कीजिये।

11. What is graded profile of river valley ?
नदी घाटी की प्रवणित परिच्छेदिका क्या है?

12. Briefly describe the effects of global warming.
भूमण्डलीय ऊष्मन के प्रभावों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

13. Mention different types of coral reefs.

विभिन्न प्रकार की प्रवाल भित्तियों का उल्लेख कीजिये।

14. Account for the depletion of biodiversity.

जैव विविधता के ह्रास का विवरण लिखिये।

15. Describe the concept of peneplain.

सम्प्राय मैदान की अवधारणा का वर्णन कीजिये।

16. What is planning region ?

नियोजन प्रदेश क्या है?

17. Write about 'Special Geography' of Bernhard Varenius.
बर्नहार्ड वैरेनियस के 'विशिष्ट भूगोल' के बारे में लिखिये।

18. Identify the regions of major concentration of population in the world.
विश्व में जनसंख्या के संकेन्द्रण के प्रमुख प्रदेशों का उल्लेख कीजिये।

19. Differentiate between cultural area and cultural region.
सांस्कृतिक क्षेत्र तथा सांस्कृतिक प्रदेश के बीच अन्तर बताइये।

20. Describe the concept of 'Stop-and-Go-Determinism'.
'रुको-और-जाओ-निश्चयवाद' की अवधारणा का वर्णन कीजिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12-12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Explain the salinity variation in Indian Ocean.
हिन्द महासागर में लवण भिन्नता की व्याख्या कीजिये।

22. Discuss briefly the contribution of Herodotus to the development of geographical ideas.
भौगोलिक विचारधारा के विकास में 'हिरोडोटस' के योगदान की संक्षिप्त विवेचना कीजिये।

23. Discuss the pattern of international migration.
अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास प्रतिरूप की विवेचना कीजिये।

24. Give a brief account of the habitat, economy and society of Pygmies.
पिग्मी के आवास, अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

25. Explain the technique of regression as a measure of association.
सम्बन्ध के माप के रूप में रिग्रेशन की तकनीक को स्पष्ट कीजिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the Davisian concept of normal cycle of erosion. Elucidate the views of Penck and Hack on this concept.

डेविस द्वारा प्रतिपादित सामान्य अपरदन चक्र की अवधारणा की विवेचना कीजिये। इस अवधारणा पर पेंक तथा हैक के विचारों पर प्रकाश डालिये।

OR/अथवा

Examine the nature of geographical thought in the later half of nineteenth century with reference to the impact of Darwin's Theory of Evolution.

डारविन के क्रम विकास के सिद्धान्त के प्रभाव के संदर्भ में उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में भौगोलिक विचारधारा की प्रकृति का परीक्षण कीजिये।

OR/अथवा

Discuss the causes and consequences of regional disparities in economic development in India.

भारत में आर्थिक विकास में प्रादेशिक विषमताओं के कारणों और परिणामों की विवेचना कीजिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....